Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

Yearly Grading Scheme

B.A. II YEAR Regular

2021-22

Total Teaching hours- 36 week x 6 = 216 Days. Total Credits- 36 x 30 =1080

Subject cod	Subject Nature	Mid term with Attendence	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***				
C1-101	History & development of Indian Music	20%	80%	100%	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	20%	80%	100%	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	20%	80%	100%	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)				
E1-101	THEORY-1	20%	80%	100%	33%
E1-102	THEORY-2	20%	80%	100%	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE				
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)				
E2-101	THEORY-I	20%	80%	100%	33%
E2-102	THEORY-II	20%	80%	100%	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***				
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	05	30	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	05	30	35	33%
F-HM-103	ENVIRONMENTAL STUDY- III	05	25	30	33%
	GRAND Total			600	

सत्र –2021–22

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (नियमित पाठ्यक्रम)

(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)

(भारतीय संगीत का इतिहास एवं विकास/ History & development of Indian Music 1)

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–80

इकाई–1

1. टोन, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, अनुनाद, डोल, उपस्वर (स्वयंभु स्वर), प्रतिध्वनि, तरंगमान तथा तरंग वेग,ग्रंथि–प्रतिग्रंथि, स्वर अंतराल प्रमुख स्वर संवादो का अध्ययन।
2. स्केल–नेचुरल स्केल, डायटोनिक स्केल तथा टेम्पर्ड स्केल।

इकाई–2

1. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक सप्तकों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. पूर्वाग–उत्तरांग राग। वादी, संवादी स्वर से राग गायन के समय का सबंध, संधिप्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, परमेले, प्रवेशक राग की जानकारी।

इकाई–3

1. राग के ग्रह आदि दस लक्षण। आविर्भाव, तिरोभाव, नायकी, गायकी, वाग्गेयकार की परिभाषा लक्षण एवं प्रकार।
2. गमक की परिभाषा और उसके प्रकार।

इकाई–4

1. मुगल काल से अब तक का संगीत का सक्षिप्त इतिहास।
2. सदारंग–अदारंग, गोपाल नायक, बैजू बख्शू हस्सू' हद्दू खाँ, भास्कर बुआ बखले, बाबा अलाउद्दीन खाँ, उ. हाफिज अली खाँ एवं उ. इनायत खाँ तथा पं. पन्नालाल घोष का जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

इकाई–5

1. तत् (तंत्री), अवनद्ध, घन एवं सुषिर वाद्य वर्गीकरण का अध्ययन।
2. वितत् वाद्य का स्पष्टीकरण। गायन के विद्यार्थी के लिए तानपूरा का एवं वाद्य के विद्यार्थी हेतु अपने–अपने वाद्य का संक्षिप्त ऐतिहासिक अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (नियमित पाठ्यक्रम)
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत /Applied Principles of Indian Music 2)

समय :–3 घण्टे | पूर्णांक :–80

इकाई–1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय अध्ययन एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन–
   बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद, केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप।

इकाई–2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।
   (अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए –
   - पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम के राग बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोदए केदार, देश, भैरवी, हमीर और पटदीप। किन्हीं पांच रागों में विलम्बित ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित)
   - पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय ख्याल। (आलाप तथा तानों सहित) (ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए –
   - पाठ्यक्रम के किन्ही पाचं रागों में (आलाप, तानों/ताडो सहित) एक–एक विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल।(गायकी अथवा तंत्रकारी सहित)
   - पाठ्यक्रम के प्रत्यक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना। (आलाप तथा तानो/तोडों सहित)

इकाई–3

1. तान एवं तान के प्रकार।
2. बोल आलाप, बोलतान, कृन्तन, जोड़, झाला, तारपरन तथा लागडाट की परिभाषा ।

इकाई–4

1. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा रूपक, तीव्रा तथा सूलताल के ठेकों का ज्ञान एवं दुगनु, चौगुन में लिखने का अभ्यास।
2. ठुमरी, कजरी, चैती और कव्वालो का परिचय।

इकाई–5

1. पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर स्वरलिपि वताललिपि पद्धति का अध्ययन।
2. संगीत संबंधी विषय पर लगभग 400 शब्दो में निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration & viva Voice)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–80

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति पाठ्यक्रम के राग बागेश्री, बिहाग भीमपलासी, आसावरी, कामोद केदार, देस, भैरवी, हमीर और पटदीप।

   अ. पाठ्यक्रम क किन्ही पाँच रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन।

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों मे एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन अथवा पाठ्यक्रम के किसी एक राग में तीनताल से भिन्न अन्य ताल में रचना का तानों सहित अपने वाद्य पर प्रदर्शन।

   द. गायन के विद्यार्थी हेतु पाठ्यक्रम के रागों में स्वरमालिका, लक्षण गीत का गायन।

2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम सगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।

3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुल में बोलकर प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाड़ा, रूपक, तीव्रा तथा सूलताल।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. द्वितीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 (Stage Performance)

समय :–20 मिनिट　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक :–80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये गये सुगम संगीत पर आधारित रचना अथवा धुन का प्रदर्शन।

सदर्भ ग्रंथः

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शर्मा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.
CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)
Yearly Grading Scheme
B.A. III YEAR Regular
2021-22
Total Teaching hours- 36 week x 6 = 216 Days. Total Credits- 36 x 30 =1080

Subject cod	Subject Nature	Mid term with Attendence	End Term	Total Mark %	Minimum Passing Mark %
Group-A	***Core Subject – Music***				
C1-101	Science of Music	20%	80%	100%	33%
C1-102	Applied Principal of Indian Music	20%	80%	100%	33%
C1-103	Practical one (with nss camp)	20%	80%	100%	33%
Group-B	Elective open-1 LITERATURE any one following for teaching availability (HINDI/ENGLISH/SANSKRIT)				
E1-101	THEORY-1	20%	80%	100%	33%
E1-102	THEORY-2	20%	80%	100%	33%
	Elective open-2- SOCIAL SCIENCE				
	any one following for teaching availability (HISTORY/PHILOSOPHY)				
E2-101	THEORY-I	20%	80%	100%	33%
E2-102	THEORY-II	20%	80%	100%	33%
Group- C	***FOUNDATION COURSE (Compulsory)***				
F-HM-101	HINDI & MORAL VALUES - I	05	30	35	33%
F-HM-102	ENGLISH LANGUAGE - II	05	30	35	33%
F-HM-103	BASIC OF COMPUTER - III	05	25	30	33%
	GRAND Total			600	

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य प्रथम प्रश्न पत्र)
(भारतीय संगीत का इतिहास एवं विकास/ History & development of Indian Music **1)**

समय :–3 घण्टे पूर्णांक :–80

इकाई–1

1. गांधर्व गान, मार्गी तथा देशी संगीत का सामान्य परिचय।
2. निबद्ध और अनिबद्ध गान का सामान्य परिचय। अनिबद्ध के अतंर्गत रागालप्ति एवं रूपकालप्ति के भेद–प्रभेदों का अध्ययन।

इकाई–2

1. ग्राम–मूर्च्छना के लक्षण और भेदों का अध्ययन। ग्राम मूर्च्छना तथा मेल और थाट की तुलना।
2. भरत एवं शारंगदेव की श्रुति.स्वर व्यवस्था तथा चतु:सारणा विधि।

इकाई–3

1. वीणा के तार पर पं. अहाबेल द्वारा शुद्ध–विकृत स्वरों की स्थापना विधि एवं पं. श्री निवास द्वारा उसका स्पष्टीकरण।
2. ग्राम राग, देशीराग का वर्गीकरण, राग रागिनी वर्गीकरण का परिचय।

इकाई–4

1. थाट–राग वर्गीकरण तथा शुद्ध, छायालग, और संकीर्ण राग वर्गीकरण का अध्ययन।
2. पं. व्यंकटमखी के 72 मेल, उत्तर भारतीय सगीत में एक सप्तक से 32 थाटों की निर्माण विधि एवं एक थाट से 484 रागों की उत्पत्ति।

इकाई–5

1. घराने की परिभाषा एवं स्पष्टीकरण। ख्याल के ग्वालियर, आगरा, दिल्ली, पटियाला, जयपुर और किराना घरानो का सामान्य परिचय तथा सेनिया घराने की सामान्य जानकारी।
2. उ. बडे गुलाम अली खा, पं. गजाननराव जोशी, पं. रविशंकर, उं. विलायत खाँ, पं. वी.जी. जोग, उ. बिस्मिलाह खाँ और पं. हरिप्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय एवं संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
(गायन/स्वरवाद्य द्वितीय प्रश्न पत्र)
(संगीत के क्रियात्मक सिद्वांत/Applied Principles of Indian Music 2)

समय :—3 घण्टे पूर्णांक :—80

इकाई—1

1. निम्नलिखित रागों का शास्त्रीय परिचय एवं पिछले पाठ्यक्रम के रागों का तुलनात्मक अध्ययन— जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, छायानट, बहार, तोड़ी, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।

इकाई—2

2. निम्न अ एवं ब को भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति में लिखने का अभ्यास।

(अ) गायन के परीक्षार्थियों के लिए—

- पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में (आलाप तथा तानो सहित) विलम्बित रचना का लिखने का अभ्यास।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय रचना का (आलाप तथा तानों सहित) लिखने का अभ्यास।

(ब) स्वर वाद्य के परीक्षार्थियों के लिए—

- पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित गत अथवा मसीतखानी गत अथवा विलम्बित ख्याल का (आलाप तानो/ताडो सहित) लेखन।
- पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में एक मध्यलय अथवा रजाखानी गत अथवा द्रुतलय की रचना का (आलाप तथा तानो/ताडो सहित) प्रदर्शन।

इकाई—3

1. आड, कुआड, लयो की जानकारी।
2. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाडा, रूपक, तीव्रा, सूलताल, आड़ाचौताल, दीपचंदी तथा झूमरा तालों का परिचय उन्हें तिगुन, चौगुन में लिखने का अभ्यास।

इकाई—4

1. स्वरलिपि एवं उसकी उपयोगिता। पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्वरलिपि के अतिरिक्त भारत में प्रचलित अन्य स्वरलिपियो का सामान्य ज्ञान।
2. स्टाफ नोटेशन (स्वरलिपि) पद्धति का सामान्य परिचय। स्टाफ नोटेशन स्वरलिपि में पाठ्यक्रम के रागों के आरोह—अवरोह व पकड़ का इस पद्धति में लेखन।

इकाई—5

1. हार्मनी और मेलाडी का सामान्य अध्ययन।
2. लगभग 500 शब्दो में सगीत संबंधी किसी विषय पर निबंध लेखन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम

गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः– 1 प्रदर्शन एवं मौखिक

(Demonstration & Viva Voice)

समय :–30 मिनिट पूर्णांक :–80

1. पूर्व पाठ्यक्रमों की पुनरावृत्ति एवं पाठ्यक्रम के राग–जैजैवन्ती, मालकौस, जौनपुरी, पूरिया, छायानट, बहार, तोडी, बसन्त, रामकली, तिलककामोद और पूरियाधनाश्री।
   तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से पिछले पाठ्यक्रम के रागों की पुनरावृत्ति।

   अ. पाठ्यक्रम के किन्हीं छः रागों में एक–एक विलम्बित ख्याल (आलाप–तान सहित) का गायन अथवा विलम्बित रचना/मसीतखानी गत (गायकी अथवा तंत्रकारी सहित) का प्रदर्शन।

   ब. पाठ्यक्रम के प्रत्येक राग में मध्यलय ख्याल/रजाखानी गत/मध्यलय रचना का पाँच तानों सहित प्रदर्शन

   स. पाठ्यक्रम के विभिन्न रागों में एक ध्रुपद, एक धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन सहित) तथा एक तराना का गायन। अथवा किसी एक राग में तीनताल से पृथक ताल में रचना का गायकी अथवा तंत्रकारी सहित अभ्यास।
2. भजन/देशभक्ति गीत या सुगम संगीत की रचना का स्वरलय में गायन अथवा वाद्य पर प्रदर्शन या किसी धुन को अपने वाद्य पर प्रस्तुत करना।
3. पाठ्यक्रम के निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर बोलकर प्रदर्शन–
   अ. त्रिताल, एकताल, दादर, कहरवा, झपताल, चौताल, धमार, तिलवाडा, रूपक, तीव्रा, सलू ताल, आडाचौताल, दीपचदी एवं झूमरा तालों की ठाह दुगुन एवं चौगुन।
   ब. त्रिताल, एकताल, दादरा, कहरवा का तिगुन में प्रदर्शन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)
बी.ए. तृतीय वर्ष नियमित पाठ्यक्रम
गायन/स्वरवाद्य प्रायोगिकः–2 मंच प्रदर्शन
वोकल/इंस्ट्रूमेंट (स्वर वाद्य) टेक्निक 2 (Stage Performance)

समय :–20 मिनिट | पूर्णांक :–80

1. परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई एक राग रचना का (विस्तृत गायकी/तन्त्रकारी भजन सहित) प्रदर्शन।
2. परीक्षक द्वारा दिये ध्रुपद/धमार में से किसी एक की गायकी/ तन्त्रकारी के साथ प्रस्तुति।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दुस्तानी क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 2 से 6 – पं. विष्णु नारायण भातखण्डे
2. संगीत प्रवीण दर्शिका – श्री एल. एन. गुणे
3. संगीत शास्त्र दर्पण – श्री शांति गोवर्धन
4. संगीत विशारद – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
5. सितार मलिका – श्री भगवतशरण शर्मा
6. अभिनव गीतांजलि भाग 1 से 5 – श्री रामाश्रय झा
7. संगीत बोध – श्री शरदचन्द्र परांजपे
8. संगीत वाद्य – श्री लालमणि मिश्र
9. हमारे संगीत रत्न – श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग
10. चतुरंग – श्री सज्जनलाल भट्ट
11. संगीत शास्त्र – श्री तुलसीराम देवांगन
12. राग शास्त्र – डॉ. गीता बैनर्जी
13. संगीत मणि – डॉ. महारानी शमा
14. प्रणव भारती भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर
15. संगीतांजली भाग 1 से 7 – पं. ओमकारनाथ ठाकुर